

GOODS & SERVICE TAX- C010502T

Question 1

English: Define Indirect Tax and state any three essential features of Indirect Taxes.

Hindi: अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax) को परिभाषित कीजिए तथा अप्रत्यक्ष करों की कोई तीन प्रमुख विशेषताएं बताइए।

Answer (English):

An indirect tax is a tax levied on the manufacture, sale, or consumption of goods and services, where the tax incidence is passed on to the final consumer.

Key Features:

- **Shiftable Incidence:** The legal liability to pay tax is on the supplier, but the financial burden is shifted to the buyer.
- **Regressive in Nature:** Both rich and poor pay the same tax rate on the purchase of identical commodities.
- **Tax on Goods and Services:** It is embedded in the price of commodities rather than levied directly on personal income.

Answer (Hindi):

अप्रत्यक्ष कर वह कर है जो वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्माण, बिक्री या उपभोग पर लगाया जाता है, जिसका वास्तविक वित्तीय भार अंतिम उपभोक्ता पर स्थानांतरित कर दिया जाता है।

प्रमुख विशेषताएं:

- **भार का स्थानांतरण:** कर जमा कराने का कानूनी दायित्व विक्रेता पर होता है, परंतु इसका अंतिम भार क्रेता पर डाला जाता है।
- **प्रतिगामी प्रकृति:** यह अमीर और गरीब दोनों पर समान दर से लागू होता है।
- **वस्तुओं व सेवाओं पर प्रभार:** यह कर सीधे आय पर न लगकर वस्तु या सेवा के मूल्य में अंतर्निहित होता है।

Question 2

English: Differentiate between Direct Tax and Indirect Tax on any four bases.

Hindi: प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर के बीच किन्हीं चार आधारों पर अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

- **Incidence & Impact:** In direct tax, impact and incidence fall on the same person (e.g., Income Tax). In indirect tax, impact is on the supplier, but incidence is on the consumer.

- **Shiftability:** Direct tax cannot be shifted to another person; indirect tax is easily shiftable.
- **Nature:** Direct taxes are progressive (higher tax for higher income), whereas indirect taxes are regressive.
- **Collection:** Direct taxes are collected after income is earned; indirect taxes are collected at the point of sale/consumption.

Answer (Hindi):

- **कराघात एवं करापात:** प्रत्यक्ष कर में कराघात और करापात एक ही व्यक्ति पर पड़ता है (जैसे आयकर)। अप्रत्यक्ष कर में दायित्व विक्रेता पर और भार उपभोक्ता पर होता है।
- **स्थानांतरण:** प्रत्यक्ष कर को दूसरों पर टाला नहीं जा सकता; अप्रत्यक्ष कर का भार आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है।
- **प्रकृति:** प्रत्यक्ष कर प्रगतिशील (आय बढ़ने पर अधिक कर) होते हैं, जबकि अप्रत्यक्ष कर प्रतिगामी होते हैं।
- **वसूली:** प्रत्यक्ष कर आय अर्जित करने के बाद चुकाया जाता है; अप्रत्यक्ष कर वस्तुओं/सेवाओं की खरीद के समय ही वसूल लिया जाता है।

Question 3

English: Name any four major indirect taxes that existed in India prior to the implementation of GST.

Hindi: भारत में जीएसटी लागू होने से पूर्व प्रचलित किन्हीं चार प्रमुख अप्रत्यक्ष करों के नाम लिखिए।

Answer (English):

Prior to GST, indirect taxation in India was fragmented into multiple central and state levies:

- **Central Excise Duty:** Levied by the Central Government on the manufacture or production of goods within India.
- **Service Tax:** Levied by the Centre on the provision of taxable services.
- **Value Added Tax (VAT) / Central Sales Tax (CST):** VAT was levied by States on intra-state sales, while CST was levied on inter-state trade.
- **Entry Tax / Octroi:** Levied by local authorities or states on the entry of goods into a local area for consumption or sale.

Answer (Hindi):

जीएसटी लागू होने से पूर्व भारत में कई केंद्रीय और राज्य स्तरीय अप्रत्यक्ष कर लागू थे:

- **केंद्रीय उत्पाद शुल्क (Central Excise Duty):** भारत में वस्तुओं के विनिर्माण या उत्पादन पर केंद्र सरकार द्वारा लगाया जाने वाला कर।

- **सेवा कर (Service Tax):** केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न सेवाओं के प्रदान किए जाने पर लगाया जाने वाला कर।
- **मूल्य वर्धित कर (VAT) / केंद्रीय बिक्री कर (CST):** राज्य के भीतर बिक्री पर वैट (VAT) और अंतर-राज्यीय बिक्री पर सीएसटी (CST) लगता था।
- **प्रवेश कर / चुंगी (Octroi / Entry Tax):** किसी स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के प्रवेश और उपभोग पर स्थानीय निकायों या राज्यों द्वारा लगाया जाने वाला कर।

Question 4

English: Explain four major shortcomings of the Pre-GST indirect tax system in India.

Hindi: भारत में पूर्व-जीएसटी (Pre-GST) अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की चार प्रमुख कमियों की व्याख्या कीजिए।

Answer (English):

- **Cascading Effect (Tax on Tax):** Input tax credit of Central taxes (like Excise) was not available against State taxes (like VAT), leading to tax being charged on tax.
- **Multiplicity of Taxes and Compliance:** Businesses had to comply with multiple laws, file various returns, and deal with different tax departments.
- **Inter-state Trade Barriers:** Check-posts and CST created logistical bottlenecks and fragmented the Indian market.
- **Lack of Uniformity:** Different states had different VAT rates and procedural rules for the same commodities.

Answer (Hindi):

- **कर पर कर (Cascading Effect):** केंद्रीय करों (जैसे एक्साइज) का क्रेडिट राज्य करों (जैसे वैट) के खिलाफ नहीं मिलता था, जिससे कर के ऊपर कर लगता था।
- **करों की बहुलता एवं जटिलता:** व्यापारियों को कई कानूनों का पालन करना पड़ता था, अलग-अलग रिटर्न दाखिल करने होते थे तथा विभिन्न विभागों से जूझना पड़ता था।
- **अंतर-राज्यीय व्यापार में बाधाएं:** चुंगी नाकों (Check-posts) और सीएसटी के कारण माल की दुलाई में अनावश्यक देरी होती थी।
- **एकरूपता का अभाव:** प्रत्येक राज्य में एक ही वस्तु पर वैट की अलग-अलग दरें और नियम होते थे।

Question 5

English: What is GST? Outline three main objectives of introducing GST in India.

Hindi: जीएसटी (GST) क्या है? भारत में जीएसटी लागू करने के किन्हीं तीन प्रमुख उद्देश्यों को समझाइए।

Answer (English):

Goods and Services Tax (GST) is a comprehensive, multi-stage, destination-based indirect tax levied on every value addition in the supply chain of goods and services.

Objectives:

- **One Nation, One Tax:** To eliminate multiple indirect taxes and create a unified common national market.
- **Mitigation of Cascading Effect:** To ensure seamless flow of Input Tax Credit (ITC) across the entire supply chain.
- **Broadening Tax Base & Compliance:** To curb tax evasion through digital, invoice-level matching mechanisms.

Answer (Hindi):

वस्तु एवं सेवा कर (GST) एक व्यापक, बहु-स्तरीय, गंतव्य-आधारित (destination-based) अप्रत्यक्ष कर है जो वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति श्रृंखला में प्रत्येक मूल्यवर्धन (value addition) पर लगाया जाता है।

प्रमुख उद्देश्य:

- **एक राष्ट्र, एक कर:** अनेक अप्रत्यक्ष करों को समाप्त कर एक एकीकृत राष्ट्रीय साझा बाजार का निर्माण करना।
- **कर पर कर के प्रभाव की समाप्ति:** संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करना।
- **कर आधार का विस्तार एवं अनुपालन:** डिजिटल इनवॉइस मिलान प्रणाली के माध्यम से कर चोरी पर रोक लगाना।

Question 6

English: Mention four distinct advantages of the GST regime for Indian businesses and consumers.

Hindi: भारतीय व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए जीएसटी प्रणाली के चार प्रमुख लाभ बताइए।

Answer (English):

- **Elimination of Cascading Effect:** Seamless credit availability reduces the overall cost of goods and services.
- **Ease of Doing Business:** Common online portal (GSTN) for registration, returns, tax payments, and refunds.

- **Lower Logistics Cost:** Elimination of state border check-posts has drastically cut transportation time and costs.
- **Transparency for Consumers:** Goods carry a single unified indirect tax component instead of hidden cumulative taxes.

Answer (Hindi):

- **कर पर कर की समाप्ति:** निर्बाध इनपुट क्रेडिट मिलने से वस्तुओं और सेवाओं की उत्पादन लागत में कमी आई है।
- **व्यापार करने में सुगमता:** पंजीकरण, रिटर्न, कर भुगतान और रिफंड के लिए एकल डिजिटल पोर्टल (GSTN) उपलब्ध है।
- **लॉजिस्टिक्स लागत में कमी:** राज्यों की सीमाओं पर चेक-पोस्ट हटने से वाहनों की आवाजाही तेज और सस्ती हुई है।
- **उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शिता:** उपभोक्ताओं को कई छिपे हुए करों के बजाय एक पारदर्शी कर संरचना मिलती है।

Question 7

English: Discuss four limitations or disadvantages experienced after the introduction of GST.

Hindi: जीएसटी लागू होने के पश्चात सामने आईं चार सीमाओं या कमियों की विवेचना कीजिए।

Answer (English):

- **High Compliance Burden:** Small traders struggle with monthly/quarterly digital filings and strict invoice reconciliation.
- **IT Infrastructure Glitches:** Technical issues and server downtimes on the GST portal initially created major operational disruptions.
- **Exclusion of Key Sectors:** Petroleum products, alcohol for human consumption, and electricity remain outside GST, keeping cascading effects partially alive.
- **Working Capital Blockage:** Delays in export refunds and inverted duty structure refunds block crucial working capital.

Answer (Hindi):

- **उच्च अनुपालन लागत:** छोटे व्यापारियों के लिए मासिक/त्रैमासिक डिजिटल रिटर्न और इनवॉइस मिलान करना कठिन और खर्चीला साबित हुआ।
- **तकनीकी विसंगतियां:** जीएसटी पोर्टल पर सर्वर डाउन और तकनीकी खामियों के कारण करदाताओं को भारी परेशानी उठानी पड़ी।
- **प्रमुख क्षेत्रों का बाहर होना:** पेट्रोलियम उत्पाद, मानव उपभोग की शराब और बिजली जीएसटी के दायरे से बाहर हैं, जिससे टैक्स का दोहराव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ।

- **कार्यशील पूंजी का ब्लॉक होना:** निर्यात रिफंड या इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर के तहत रिफंड में देरी से व्यापारियों की पूंजी फंस जाती है।

Question 8

English: Explain the dual structure of GST in India and distinguish between CGST, SGST, and UTGST.

Hindi: भारत में जीएसटी के दोहरे ढांचे (Dual GST Model) को समझाइए तथा CGST, SGST एवं UTGST में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

India adopted a Dual GST model where both Centre and States simultaneously levy tax on a common taxable base within a state/UT.

- **CGST (Central GST):** Levied and collected by the Central Government on intra-state supplies.
- **SGST (State GST):** Levied and collected by the respective State Government on intra-state supplies.
- **UTGST (Union Territory GST):** Levied and collected by Union Territories without a legislature (e.g., Ladakh, Andaman & Nicobar) on intra-state/UT supplies instead of SGST.

Answer (Hindi):

भारत ने एक दोहरा जीएसटी मॉडल अपनाया है जिसके तहत राज्य के भीतर आपूर्ति पर केंद्र और राज्य दोनों सरकारें एक साथ कर लगाती हैं।

- **CGST (केंद्रीय जीएसटी):** राज्य के भीतर होने वाली आपूर्ति पर केंद्र सरकार द्वारा लगाया और वसूला जाता है।
- **SGST (राज्य जीएसटी):** राज्य के भीतर होने वाली आपूर्ति पर संबंधित राज्य सरकार द्वारा लगाया और वसूला जाता है।
- **UTGST (केंद्र शासित प्रदेश जीएसटी):** बिना विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों (जैसे लद्दाख, अंडमान व निकोबार) द्वारा SGST के स्थान पर लगाया जाता है।

Question 9

English: Explain the concept and constitutional significance of Integrated Goods and Services Tax (IGST).

Hindi: एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (IGST) की अवधारणा एवं इसके संवैधानिक महत्व को समझाइए।

Answer (English):

IGST is governed under the IGST Act, 2017 and is levied on all inter-state supplies of goods and services as well as imports into India.

- **Collection & Apportionment:** It is collected by the Central Government and subsequently apportioned between the Centre and the destination State.
- **Cross-Utilization:** It prevents disruption in the input tax credit chain across state borders, allowing buyers in one state to utilize tax paid in another.
- **Rate:** IGST rate is approximately equal to the sum of CGST and SGST rates ($CGST + SGST = IGST$).

Answer (Hindi):

आईजीएसटी (IGST) का संचालन आईजीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत होता है। यह वस्तुओं एवं सेवाओं की सभी अंतर-राज्यीय (inter-state) आपूर्तियों और आयातों पर लगाया जाता है।

- **वसूली एवं विभाजन:** इसे केंद्र सरकार द्वारा वसूला जाता है और बाद में केंद्र तथा गंतव्य राज्य के बीच निर्धारित अनुपात में विभाजित किया जाता है।
- **क्रेडिट का निर्बाध प्रवाह:** यह विभिन्न राज्यों के मध्य इनपुट टैक्स क्रेडिट की श्रृंखला को टूटने से बचाता है।
- **कर दर:** IGST की दर सामान्यतः CGST और SGST की संयुक्त दरों के बराबर होती है ($CGST + SGST = IGST$)।

Question 10

English: Define the terms "Goods" and "Services" as per the CGST Act, 2017.

Hindi: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 के अनुसार "माल" (Goods) एवं "सेवाएं" (Services) को परिभाषित कीजिए।

Answer (English):

- **Goods [Section 2(52)]:** Every kind of movable property other than money and securities, but includes actionable claim, growing crops, grass, and things attached to or forming part of the land agreed to be severed before supply or under a contract of supply.
- **Services [Section 2(102)]:** Anything other than goods, money, and securities; but includes activities relating to the use of money or its conversion by cash or any other mode, from one form, currency or denomination to another, for which a separate consideration is charged.

Answer (Hindi):

- **माल / वस्तुएँ [धारा 2(52)]:** मुद्रा (Money) और प्रतिभूतियों (Securities) को छोड़कर हर प्रकार की चल संपत्ति 'माल' है; इसमें कार्रवाई योग्य दावे (actionable claims), उगी हुई

फसलें, घास और भूमि से जुड़ी ऐसी वस्तुएं शामिल हैं जिन्हें आपूर्ति से पूर्व अलग करने पर सहमति बनी हो।

- **सेवाएं [धारा 2(102)]:** माल, मुद्रा और प्रतिभूतियों के अलावा अन्य कोई भी गतिविधि सेवा है; परंतु इसमें मुद्रा के उपयोग या उसके रूप, मुद्रा या मूल्यवर्ग को शुल्क लेकर परिवर्तित करने से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

Question 11

English: Define "Taxable Person" and "Recipient" under the GST Act.

Hindi: जीएसटी अधिनियम के तहत "कर योग्य व्यक्ति" (Taxable Person) एवं "प्राप्तकर्ता" (Recipient) को परिभाषित कीजिए।

Answer (English):

- **Taxable Person [Section 2(107)]:** A person who is registered or is liable to be registered under Section 22 or Section 24 of the CGST Act.
- **Recipient [Section 2(93)]:**
 - Where consideration is payable: The person liable to pay that consideration.
 - Where no consideration is payable (goods): The person to whom goods are delivered or made available.
 - Where no consideration is payable (services): The person to whom the service is rendered.

Answer (Hindi):

- **कर योग्य व्यक्ति [धारा 2(107)]:** ऐसा व्यक्ति जो सीजीएसटी अधिनियम की धारा 22 या धारा 24 के अंतर्गत पंजीकृत है अथवा पंजीकरण कराने के लिए उत्तरदायी है।
- **प्राप्तकर्ता [धारा 2(93)]:**
 - जहाँ प्रतिफल देय है: वह व्यक्ति जो उस प्रतिफल (consideration) का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है।
 - जहाँ कोई प्रतिफल देय नहीं है (माल के संदर्भ में): वह व्यक्ति जिसे माल सौंपा जाता है।
 - जहाँ कोई प्रतिफल देय नहीं है (सेवा के संदर्भ में): वह व्यक्ति जिसे सेवा प्रदान की जाती है।

Question 12

English: Explain the concept of "Supply" under Section 7 of the CGST Act, 2017.

Hindi: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 7 के तहत "आपूर्ति" (Supply) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

Under Section 7(1), "Supply" includes all forms of supply of goods or services such as sale, transfer, barter, exchange, license, rental, lease, or disposal made or agreed to be made:

- For a consideration,
- By a person,
- In the course or furtherance of business.

It also includes import of services for a consideration whether or not in the course or furtherance of business, and specific activities listed in Schedule I made without consideration.

Answer (Hindi):

धारा 7(1) के अनुसार, 'आपूर्ति' में वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री, हस्तांतरण, वस्तु-विनिमय (barter), विनिमय, लाइसेंस, किराया, पट्टा या निस्तारण के सभी रूप शामिल हैं, जो:

- प्रतिफल (consideration) के बदले किए गए हों,
- किसी व्यक्ति द्वारा किए गए हों,
- व्यवसाय के अनुक्रम या संवर्धन (furtherance of business) में किए गए हों।

इसमें प्रतिफल के बदले सेवाओं का आयात भी शामिल है (चाहे वह व्यवसाय के लिए हो या नहीं) तथा अनुसूची I में वर्णित बिना प्रतिफल वाली निर्दिष्ट गतिविधियां भी आपूर्ति मानी जाती हैं।

Question 13

English: What is Time of Supply? Explain the general rules for determining the Time of Supply of Goods under Section 12.

Hindi: आपूर्ति का समय (Time of Supply) क्या है? धारा 12 के अंतर्गत माल की आपूर्ति का समय निर्धारित करने के सामान्य नियम बताइए।

Answer (English):

Time of Supply (TOS) indicates the point in time when the liability to pay GST arises.

Under Section 12(2), for normal supply of goods, TOS is the **earliest** of:

- The date of issue of invoice by the supplier, or the last date on which the invoice is required to be issued under Section 31(1) (i.e., before or at the time of removal/delivery of goods).
- *(Note: By Notification No. 66/2017, payment receipt date is exempted for goods, so TOS for goods generally hinges on the invoice date).*

Answer (Hindi):

आपूर्ति का समय (TOS) वह बिंदु है जब जीएसटी चुकाने का कानूनी दायित्व उत्पन्न होता है।

धारा 12(2) के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में माल के लिए आपूर्ति का समय निम्नलिखित में से जो भी पहले हो, वह होता है:

- विक्रेता द्वारा इनवॉइस जारी करने की वास्तविक तिथि, अथवा
- धारा 31(1) के तहत इनवॉइस जारी करने की अंतिम तिथि (अर्थात् माल को हटाए जाने या सुपुर्दगी के समय)।

(अधिसूचना 66/2017 के अनुसार माल पर अग्रिम भुगतान की तिथि पर कर देयता समाप्त कर दी गई है)।

Question 14

English: How is the Time of Supply of Services determined under forward charge (Section 13)?

Hindi: सामान्य प्रभार (Forward Charge) के तहत सेवाओं की आपूर्ति का समय (धारा 13) कैसे निर्धारित किया जाता है?

Answer (English):

Under Section 13(2), TOS of services is determined as follows:

- **If invoice is issued within 30 days** of service provision: Earliest of the date of invoice or the date of receipt of payment.
- **If invoice is NOT issued within 30 days:** Earliest of the date of completion of service or the date of receipt of payment.
- **If both cannot be determined:** The date on which the recipient shows the receipt of services in their books of accounts.

Answer (Hindi):

धारा 13(2) के अनुसार सेवाओं के लिए आपूर्ति का समय इस प्रकार तय होता है:

- **यदि इनवॉइस सेवा समाप्ति के 30 दिनों के भीतर जारी किया गया है:** इनवॉइस जारी करने की तिथि या भुगतान प्राप्त होने की तिथि, जो भी पहले हो।
- **यदि इनवॉइस 30 दिनों के भीतर जारी नहीं किया गया है:** सेवा पूर्ण होने की तिथि या भुगतान प्राप्त होने की तिथि, जो भी पहले हो।
- **यदि उपर्युक्त नियम लागू न हों:** वह तिथि जब प्राप्तकर्ता अपनी लेखा पुस्तकों में सेवा की प्राप्ति दर्ज करता है।

Question 15

English: Explain the Time of Supply of Goods under Reverse Charge Mechanism (RCM).

Hindi: विपरीत प्रभार तंत्र (RCM) के अंतर्गत माल की आपूर्ति का समय कैसे तय किया जाता है?

Answer (English):

Under Section 12(3), in case of supplies where tax is payable under Reverse Charge, the Time of Supply is the **earliest** of the following:

- The date of receipt of goods by the recipient;
- The date of payment recorded in recipient's books or debited to their bank account, whichever is earlier;
- The date immediately following 30 days from the date of issue of invoice by the supplier.

If none work, it is the date of entry in the recipient's books.

Answer (Hindi):

धारा 12(3) के अंतर्गत रिवर्स चार्ज तंत्र (RCM) में माल की आपूर्ति का समय निम्नलिखित में से जो भी पहले हो, माना जाता है:

- प्राप्तकर्ता द्वारा माल प्राप्त करने की वास्तविक तिथि;
- प्राप्तकर्ता द्वारा खाते में भुगतान प्रविष्टि करने की तिथि अथवा बैंक खाते से राशि कटने की तिथि, जो भी पहले हो;
- आपूर्तिकर्ता द्वारा इनवॉइस जारी करने की तिथि से 30 दिन बीतने के ठीक बाद वाला 31वाँ दिन।

यदि उपर्युक्त संभव न हो, तो प्राप्तकर्ता की बहियों में प्रविष्टि की तिथि मान्य होगी।

Question 16

English: How is the Time of Supply determined for Services under the Reverse Charge Mechanism?

Hindi: रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (RCM) के तहत सेवाओं की आपूर्ति का समय किस प्रकार निर्धारित होता है?

Answer (English):

Under Section 13(3), in case of reverse charge on services, the Time of Supply is the **earliest** of:

- The date of payment as entered in the books of accounts of the recipient, or the date of debit in their bank account, whichever is earlier;
- The date immediately following **60 days** from the date of issue of invoice by the supplier (i.e., 61st day).

Where it is not possible to determine via these, it is the date of entry in the recipient's books.

Answer (Hindi):

धारा 13(3) के अनुसार रिवर्स चार्ज के तहत सेवाओं के लिए आपूर्ति का समय निम्नलिखित में से जो भी पहले हो, होता है:

- प्राप्तकर्ता की खाता बहियों में भुगतान दर्ज करने की तिथि या बैंक खाते से राशि कटने की तिथि, जो भी पहले हो;
- आपूर्तिकर्ता द्वारा इनवॉइस जारी करने की तारीख से **60 दिन** बीतने के तुरंत बाद की तिथि (अर्थात् 61वाँ दिन)।

यदि इन नियमों से निर्धारण संभव न हो, तो प्राप्तकर्ता की बहियों में प्रविष्टि की तिथि लागू होगी।

Question 17

English: Explain the provisions governing the Time of Supply when there is a change in the GST rate (Section 14).

Hindi: जीएसटी दर में परिवर्तन (Change in GST Rate) होने की स्थिति में धारा 14 के तहत आपूर्ति का समय तय करने के क्या नियम हैं?

Answer (English):

Under Section 14, TOS depends on when the three events (Supply, Invoice, Payment) occurred relative to the date of rate change:

- **If Supply is completed before the rate change:**
 - Invoice & Payment both after change: TOS is earlier of invoice or payment (New Rate).
 - Invoice before, Payment after: TOS is Invoice date (Old Rate).
 - Payment before, Invoice after: TOS is Payment date (Old Rate).
- **If Supply is completed after the rate change:**
 - Invoice & Payment both before change: TOS is earlier of invoice/payment (Old Rate).
 - Invoice after, Payment before: TOS is Invoice date (New Rate).
 - Payment after, Invoice before: TOS is Payment date (New Rate).

Answer (Hindi):

धारा 14 के तहत दर परिवर्तन के समय आपूर्ति, इनवॉइस और भुगतान की तिथियों के आधार पर TOS तय होता है:

- **यदि आपूर्ति दर बदलने से पूर्व हो चुकी है:**

- इनवॉइस व भुगतान दोनों दर बदलने के बाद: इनवॉइस या भुगतान जो पहले हो (नई दर लागू होगी)।
- इनवॉइस पहले, भुगतान बाद में: इनवॉइस की तिथि (पुरानी दर लागू होगी)।
- भुगतान पहले, इनवॉइस बाद में: भुगतान की तिथि (पुरानी दर लागू होगी)।
- **यदि आपूर्ति दर बदलने के बाद हुई है:**
 - इनवॉइस व भुगतान दोनों दर बदलने से पूर्व: इनवॉइस या भुगतान जो पहले हो (पुरानी दर लागू होगी)।
 - इनवॉइस बाद में, भुगतान पहले: इनवॉइस की तिथि (नई दर लागू होगी)।
 - भुगतान बाद में, इनवॉइस पहले: भुगतान की तिथि (नई दर लागू होगी)।

Question 18

English: What are the statutory time limits for issuing a Tax Invoice for supply of goods and supply of services?

Hindi: माल एवं सेवाओं की आपूर्ति के लिए टैक्स इनवॉइस जारी करने की वैधानिक समय सीमा क्या है?

Answer (English):

Under Section 31 of the CGST Act:

- **For Goods [Section 31(1)]:** The invoice must be issued **before or at the time of:**
 - Removal of goods for supply (where supply involves movement); or
 - Delivery of goods or making them available to the recipient (where movement is not involved).
- **For Services [Section 31(2)]:** The invoice must be issued before or after the provision of service, but **within 30 days** (45 days in case of banking and financial institutions) from the date of the supply of service.

Answer (Hindi):

सीजीएसटी अधिनियम की धारा 31 के अनुसार इनवॉइस जारी करने की समय-सीमा निम्नलिखित है:

- **माल के लिए [धारा 31(1)]:** इनवॉइस जारी करना अनिवार्य है:
 - माल की आपूर्ति हेतु हटाए जाने से पूर्व या हटाते समय (यदि आपूर्ति में माल की आवाजाही शामिल है); अथवा
 - प्राप्तकर्ता को सुपुर्दगी या माल उपलब्ध कराने के समय (यदि आवाजाही शामिल नहीं है)।

- **सेवाओं के लिए [धारा 31(2)]:** सेवा प्रदान करने की तिथि से अधिकतम 30 दिनों के भीतर (बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं के मामले में 45 दिन) इनवॉइस जारी करना अनिवार्य है।

Question 19

English: What is meant by "Place of Supply" (POS) and why is it crucial in GST?

Hindi: "आपूर्ति का स्थान" (Place of Supply - POS) से क्या आशय है और जीएसटी में इसका क्या महत्व है?

Answer (English):

Place of Supply (POS) refers to the registered location or jurisdiction where goods or services are legally treated as consumed under GST law.

Crucial Importance:

- **Determines Nature of Supply:** POS determines whether a transaction is **Intra-State** (Location of Supplier and POS in the same State → CGST + SGST) or **Inter-State** (Location of Supplier and POS in different States → IGST).
- **Destination-Based Tax Principle:** It ensures tax revenue accrues to the consuming state.

Answer (Hindi):

आपूर्ति का स्थान (POS) वह स्थान या क्षेत्राधिकार है जहाँ कानूनन यह माना जाता है कि वस्तु या सेवा का अंतिम उपभोग हुआ है।

महत्व:

- **आपूर्ति की प्रकृति का निर्धारण:** POS यह तय करता है कि लेनदेन **राज्य के भीतर** (Intra-State) है (आपूर्तिकर्ता का स्थान व POS समान राज्य में → CGST + SGST) या **अंतर-राज्यीय** (Inter-State) है (आपूर्तिकर्ता व POS अलग-अलग राज्यों में → IGST)।
- **गंतव्य सिद्धांत का पालन:** यह सुनिश्चित करता है कि कर का राजस्व उसी राज्य को मिले जहाँ उपभोग हुआ है।

Question 20

English: Differentiate between Intra-State Supply and Inter-State Supply with relevant legal provisions.

Hindi: प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के साथ इंट्रा-स्टेट (अंतः-राज्यीय) और इंटर-स्टेट (अंतर-राज्यीय) आपूर्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

- **Intra-State Supply (Section 8 of IGST Act):**

- Occurs when the **Location of the Supplier** and the **Place of Supply** are in the *same State or same Union Territory*.
- Taxes Levied: CGST + SGST (or CGST + UTGST).
- **Inter-State Supply (Section 7 of IGST Act):**
 - Occurs when the **Location of the Supplier** and the **Place of Supply** are in *different States, different UTs, or a State and a UT*.
 - Also includes imports, exports, and supplies to/by SEZ units.
 - Taxes Levied: Integrated GST (IGST).

Answer (Hindi):

- **अंतः-राज्यीय आपूर्ति (IGST अधिनियम की धारा 8):**
 - जब **आपूर्तिकर्ता का स्थान** और **आपूर्ति का स्थान** एक ही राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में स्थित हों।
 - लागू कर: CGST + SGST (या CGST + UTGST)।
- **अंतर-राज्यीय आपूर्ति (IGST अधिनियम की धारा 7):**
 - जब **आपूर्तिकर्ता का स्थान** और **आपूर्ति का स्थान** अलग-अलग राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित हों।
 - इसमें आयात, निर्यात और सेज (SEZ) इकाइयों को भी गई आपूर्ति भी शामिल है।
 - लागू कर: आईजीएसटी (IGST)।

Question 21

English: State the general provisions for determining the Place of Supply of Goods where supply involves movement under Section 10(1)(a).

Hindi: धारा 10(1)(a) के तहत माल की आवाजाही शामिल होने पर माल की आपूर्ति का स्थान तय करने के नियम बताइए।

Answer (English):

Under Section 10(1)(a) of the IGST Act, 2017:

- Where the supply involves movement of goods (whether by supplier, recipient, or any other person), the **Place of Supply** shall be the **location of the goods at the time at which the movement of goods terminates for delivery to the recipient**.
- *Example:* If a seller in Delhi dispatches goods to a buyer in Jaipur (Rajasthan), the movement terminates in Jaipur; therefore, POS is Rajasthan (making it an Inter-State supply subject to IGST).

Answer (Hindi):

आईजीएसटी अधिनियम की धारा 10(1)(a) के अनुसार:

- जहाँ आपूर्ति में माल का परिवहन/आवाजाही शामिल हो (चाहे वह आपूर्तिकर्ता, प्राप्तकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा की गई हो), वहाँ आपूर्ति का स्थान वह होगा जहाँ **प्राप्तकर्ता को सुपुर्दगी के लिए माल की आवाजाही समाप्त होती है।**
- *उदाहरण:* यदि दिल्ली का विक्रेता जयपुर (राजस्थान) के खरीदार को माल भेजता है, तो माल की यात्रा जयपुर में समाप्त होती है; अतः POS राजस्थान होगा और यह IGST के तहत अंतर-राज्यीय आपूर्ति मानी जाएगी।

Question 22

English: Explain the "Bill-to Ship-to" model and the determination of Place of Supply under Section 10(1)(b).

Hindi: "बिल टू शिप टू" (Bill-to Ship-to) मॉडल तथा धारा 10(1)(b) के अंतर्गत आपूर्ति का स्थान निर्धारण समझाइए।

Answer (English):

Under Section 10(1)(b) of the IGST Act:

- Where goods are delivered to a recipient or any other person on the direction of a third person (whether by way of transfer of documents of title or otherwise), it is deemed that the **third person has received the goods.**
- The **Place of Supply** is the **principal place of business of such third person.**
- *Example:* B (Mumbai) orders A (Delhi) to deliver goods directly to C (Ahmedabad). The POS between A and B is Mumbai (B's location).

Answer (Hindi):

आईजीएसटी अधिनियम की धारा 10(1)(b) के अनुसार:

- जब माल किसी तीसरे व्यक्ति के निर्देश पर किसी अन्य प्राप्तकर्ता को सीधे भेजा जाता है, तो कानूनन यह मान लिया जाता है कि **माल उस तीसरे व्यक्ति ने प्राप्त किया है।**
- ऐसे मामले में आपूर्ति का स्थान उस **तीसरे व्यक्ति का मुख्य व्यावसायिक स्थल** होगा।
- *उदाहरण:* B (मुंबई) A (दिल्ली) को निर्देश देता है कि माल सीधे C (अहमदाबाद) को भेज दे। तो A और B के बीच आपूर्ति का स्थान मुंबई माना जाएगा।

Question 23

English: State the general rule for determining the Place of Supply of Services provided to a registered person versus an unregistered person (Section 12(2)).

Hindi: धारा 12(2) के अंतर्गत पंजीकृत व्यक्ति तथा गैर-पंजीकृत व्यक्ति को दी जाने वाली सेवाओं के आपूर्ति स्थान निर्धारण का सामान्य नियम क्या है?

Answer (English):

Under Section 12(2) of the IGST Act, where both supplier and recipient are in India:

- **Supply to a Registered Person (B2B):** The Place of Supply shall be the **location of the registered recipient**.
- **Supply to an Unregistered Person (B2C):**
 - The **location of the recipient** where the address on record exists;
 - The **location of the supplier** of services in all other cases (where address is not available).

Answer (Hindi):

आईजीएसटी अधिनियम की धारा 12(2) के अनुसार (जब दोनों पक्ष भारत में हों):

- **पंजीकृत व्यक्ति को सेवा (B2B):** आपूर्ति का स्थान **पंजीकृत प्राप्तकर्ता का व्यावसायिक स्थान** होगा।
- **गैर-पंजीकृत व्यक्ति को सेवा (B2C):**
 - प्राप्तकर्ता का पता, यदि रिकॉर्ड में उपलब्ध हो;
 - अन्य सभी मामलों में (जहाँ प्राप्तकर्ता का पता रिकॉर्ड में न हो), **सेवा प्रदाता का स्थान** ही आपूर्ति का स्थान माना जाएगा।

Question 24

English: What is "Transaction Value" under Section 15(1) of the CGST Act? What are the two conditions to adopt it?

Hindi: सीजीएसटी अधिनियम की धारा 15(1) के तहत "सौदा मूल्य" (Transaction Value) क्या है? इसे अपनाने की दो अनिवार्य शर्तें क्या हैं?

Answer (English):

Transaction Value is the price actually paid or payable for the supply of goods or services where:

- The supplier and recipient are **not related persons**, and
- The **price is the sole consideration** for the supply.

If these two conditions are satisfied, transaction value forms the assessable value for computing GST. If either condition fails, valuation rules under CGST Rules, 2017 are applied.

Answer (Hindi):

धारा 15(1) के अनुसार सौदा मूल्य वह मूल्य है जो वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति के लिए वास्तव में चुकाया गया है या देय है, बशर्ते:

- आपूर्तिकर्ता और प्राप्तकर्ता आपस में **संबंधित व्यक्ति (related persons)** न हों, तथा
- वह मूल्य ही आपूर्ति का **एकमात्र प्रतिफल (sole consideration)** हो।

यदि ये दोनों शर्तें पूरी होती हैं, तो इसी मूल्य पर जीएसटी की गणना की जाती है। अन्यथा जीएसटी मूल्यांकन नियमों के अनुसार मूल्य तय होता है।

Question 25

English: List four items/inclusions that must be added to the Value of Supply under Section 15(2).

Hindi: धारा 15(2) के अंतर्गत आपूर्ति के मूल्य में जोड़े जाने वाले किन्हीं चार मदों की सूची बनाइए।

Answer (English):

Under Section 15(2), the value of supply shall include:

- Any taxes, duties, cesses, and fees levied under other laws (excluding CGST, SGST, UTGST, IGST).
- Any amount that the supplier is liable to pay in relation to the supply but incurred by the recipient.
- Incidental expenses (such as packing, commission, transportation, handling) charged by the supplier.
- Interest, late fee, or penalty for delayed payment of any consideration.
- Subsidies directly linked to the price (excluding subsidies provided by Central/State Governments).

Answer (Hindi):

धारा 15(2) के अनुसार आपूर्ति के मूल्य में निम्नलिखित को शामिल किया जाना अनिवार्य है:

- अन्य कानूनों के तहत लगाए गए सभी कर, शुल्क, उपकर और फीस (GST को छोड़कर)।
- कोई भी ऐसा खर्च जिसे वहन करने का कानूनी दायित्व विक्रेता का था, किंतु खरीदार द्वारा वहन किया गया।
- आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाए गए प्रासंगिक व्यय (जैसे पैकिंग, कमीशन, लोडिंग, भाड़ा आदि)।
- भुगतान में देरी के कारण लगाया गया ब्याज, विलंब शुल्क या जुर्माना।
- मूल्य से सीधे जुड़ी सब्सिडी (केंद्र या राज्य सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी को छोड़कर)।

Question 26

English: Explain the rules regarding exclusion of discounts from the Value of Supply under Section 15(3).

Hindi: धारा 15(3) के अंतर्गत आपूर्ति के मूल्य से छूट/बट्टे (Discount) को घटाने से संबंधित नियम स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

A discount is excluded from the value of supply if:

- **Given before or at the time of supply:** Duly recorded on the face of the tax invoice.
- **Given after supply:**
 - Allowed in terms of an agreement entered into before or at the time of supply, and specifically linked to relevant invoices; and
 - Input tax credit attributable to the discount has been reversed by the recipient.

Answer (Hindi):

धारा 15(3) के अनुसार किसी छूट (Discount) को मूल्य में से तभी घटाया जा सकता है यदि:

- **आपूर्ति से पूर्व या आपूर्ति के समय दी गई छूट:** जिसे स्पष्ट रूप से टैक्स इनवॉइस में दर्शाया गया हो।
- **आपूर्ति के बाद दी गई छूट:**
 - जो आपूर्ति से पहले या उस समय हुए लिखित समझौते के अनुसार दी गई हो और संबंधित इनवॉइस से जुड़ी हो; तथा
 - प्राप्तकर्ता ने उस छूट के अनुपात में इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) को उलट (reverse) दिया हो।

Question 27

English: What is Input Tax Credit (ITC) and how is it utilized under GST?

Hindi: इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) क्या है और जीएसटी में इसका उपयोग किस प्रकार किया जाता है?

Answer (English):

Input Tax Credit (ITC) means claiming credit of GST paid on purchase of goods and services used in the course or furtherance of business, set off against the output tax liability.

Manner of Utilization (Rule 88A):

- **IGST Credit** must be completely exhausted first against IGST, then against CGST and SGST in any order/proportion.
- **CGST Credit** is utilized against CGST first, then IGST (Never against SGST).

- **SGST Credit** is utilized against SGST first, then IGST (Never against CGST).

Answer (Hindi):

इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का अर्थ है व्यवसाय के दौरान खरीदे गए माल और ली गई सेवाओं पर चुकाए गए जीएसटी का क्रेडिट प्राप्त करना, जिसे अंतिम बिक्री पर देय कर (आउटपुट टैक्स) के विरुद्ध समायोजित किया जाता है।

उपयोग का क्रम (नियम 88A):

- **IGST क्रेडिट** को पहले पूरी तरह IGST के विरुद्ध, फिर CGST व SGST के विरुद्ध किसी भी अनुपात में समाप्त करना अनिवार्य है।
- **CGST क्रेडिट** का उपयोग पहले CGST, फिर IGST के लिए होगा (SGST के लिए कभी नहीं)।
- **SGST क्रेडिट** का उपयोग पहले SGST, फिर IGST के लिए होगा (CGST के लिए कभी नहीं)।

Question 28

English: What are the mandatory conditions for claiming Input Tax Credit under Section 16(2)?

Hindi: धारा 16(2) के अंतर्गत इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) प्राप्त करने की अनिवार्य शर्तें क्या हैं?

Answer (English):

A registered person is entitled to claim ITC only if:

- They possess a valid **tax invoice or debit note** issued by the supplier.
- The details of the invoice have been furnished by the supplier in GSTR-1 and reflected in GSTR-2B.
- They have **actually received** the goods and/or services.
- The supplier has **paid the tax** to the Government (in cash or via ITC).
- The taxpayer has **filed the return** under Section 39 (GSTR-3B).

Answer (Hindi):

धारा 16(2) के तहत एक पंजीकृत व्यक्ति ITC का दावा केवल तभी कर सकता है यदि:

- उसके पास आपूर्तिकर्ता द्वारा जारी वैध **टैक्स इनवॉइस या डेबिट नोट** हो।
- आपूर्तिकर्ता ने उस इनवॉइस को GSTR-1 में दर्शाया हो और वह खरीदार के GSTR-2B में दिखाई दे रहा हो।
- खरीदार ने वास्तव में माल या सेवा **प्राप्त कर ली** हो।

- आपूर्तिकर्ता ने सरकार को उस कर का **वास्तविक भुगतान** कर दिया हो।
- खरीदार ने धारा 39 के तहत अपना **रिटर्न (GSTR-3B)** दाखिल कर दिया हो।

Question 29

English: Mention any four supplies/items on which Input Tax Credit is blocked under Section 17(5).

Hindi: धारा 17(5) के तहत अवरुद्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट (Blocked ITC) वाली किन्हीं चार वस्तुओं/सेवाओं के नाम बताइए।

Answer (English):

Under Section 17(5), ITC cannot be claimed on:

- **Motor vehicles** for transportation of persons with approved seating capacity ≤ 13 persons (except when used for further supply, passenger transport, or driving school).
- **Food and beverages, outdoor catering, health services, and cosmetic surgery.**
- **Membership of a club, health, and fitness centre.**
- **Goods lost, stolen, destroyed, written off, or disposed of by way of gifts or free samples.**
- **Goods or services used for personal consumption.**

Answer (Hindi):

धारा 17(5) के तहत निम्नलिखित पर ITC नहीं मिलता:

- 13 सीटों तक की क्षमता वाले **यात्री मोटर वाहन** (सिवाय तब जब उनका उपयोग आगे बेचने, यात्री परिवहन या ड्राइविंग सिखाने में हो)।
- **खाद्य व पेय पदार्थ, कैटरिंग, स्वास्थ्य सेवाएं एवं कॉस्मेटिक सर्जरी।**
- **क्लब, जिम एवं फिटनेस सेंटर की सदस्यता शुल्क।**
- **खोया हुआ, चोरी हुआ, नष्ट हुआ माल या उपहार व मुफ्त नमूनों (free samples) के रूप में बांटा गया माल।**
- **व्यक्तिगत उपभोग** के लिए खरीदी गई वस्तुएं या सेवाएं।

Question 30

English: Explain the circumstances requiring Reversal and Reclaim of Input Tax Credit.

Hindi: इनपुट टैक्स क्रेडिट को उलटने (Reversal) और पुनः दावा (Reclaim) करने की परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

- **Reversal of ITC:**

- Failure to pay the supplier consideration plus tax within **180 days** from invoice date (reversed with interest).
- Inputs/capital goods used partly for business and partly for non-business/exempt purposes (Rule 42 and 43).
- ITC claimed inadvertently on Section 17(5) blocked items.

- **Reclaim of ITC:**

- When the recipient subsequently pays the value and tax to the supplier after 180 days, they can reclaim the reversed ITC (no time limit applies to this reclaim).

Answer (Hindi):

- **क्रेडिट को उलटना (Reversal of ITC):**

- इनवॉइस की तारीख से **180 दिनों** के भीतर विक्रेता को मूल्य और कर का भुगतान न करने पर ITC ब्याज सहित उलटना पड़ता है।
- व्यावसायिक और व्यक्तिगत/कर-मुक्त दोनों कार्यों में माल या सेवा के उपयोग पर (नियम 42 व 43 के तहत)।
- धारा 17(5) के तहत ब्लॉक की गई मदों पर गलती से लिया गया क्रेडिट।

- **पुनः दावा (Reclaim):**

- 180 दिन बाद जब भी क्रेता विक्रेता को बकाया राशि का भुगतान कर देता है, तो वह पहले उल्टे गए ITC का पुनः दावा कर सकता है।

Question 31

English: Explain the function of the Electronic Cash Ledger under GST.

Hindi: जीएसटी के तहत इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर (Electronic Cash Ledger) के कार्य समझाइए।

Answer (English):

Maintained on the GST common portal (Form GST PMT-05) under Section 49(1):

- **Deposits:** Credited when funds are deposited via Internet banking, NEFT/RTGS, OTC, or UPI through a generated Challan (PMT-06).
- **Payments:** Utilized to pay output tax liabilities, interest, penalty, fees, or any other amount.
- **Major/Minor Heads:** Cash is held under distinct major heads (CGST, SGST, IGST) and minor heads (Tax, Interest, Penalty, Fee, Other). Transfer between heads is allowed via PMT-09.

Answer (Hindi):

धारा 49(1) के अंतर्गत जीएसटी पोर्टल पर प्रपत्र GST PMT-05 में इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर संधारित किया जाता है:

- **जमा:** जब करदाता चालान (PMT-06) बनाकर नेट बैंकिंग, आरटीजीएस या यूपीआई से नकदी जमा करता है, तो यह खाता क्रेडिट होता है।
- **भुगतान:** इसका उपयोग आउटपुट टैक्स, ब्याज, जुर्माना, विलंब शुल्क आदि के भुगतान के लिए किया जाता है।
- **मुख्य एवं उप-शीर्ष:** इसमें मुख्य शीर्ष (CGST, SGST, IGST) और उप-शीर्ष (टैक्स, ब्याज, पेनल्टी) होते हैं। इनके बीच राशि का अंतरण PMT-09 द्वारा संभव है।

Question 32

English: Explain the Electronic Credit Ledger and the Electronic Liability Ledger.

Hindi: इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर और इलेक्ट्रॉनिक लायबिलिटी लेजर को समझाइए।

Answer (English):

- **Electronic Credit Ledger (Section 49(2)):** Reflects all eligible Input Tax Credit claimed by the taxpayer in their monthly return (GSTR-3B). It can **only** be utilized for discharging output tax liability; it cannot be used to pay interest, penalty, fees, or RCM liabilities.
- **Electronic Liability Register (Section 49(7)):** Records all total tax dues, interest, late fees, and penalties determined by self-assessment, demand notices, or audit. It tracks liabilities that need to be cleared through cash or credit ledgers.

Answer (Hindi):

- **इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर [धारा 49(2)]:** करदाता द्वारा मासिक रिटर्न (GSTR-3B) में दावा किए गए सभी वैध इनपुट टैक्स क्रेडिट को दर्शाता है। इसका उपयोग **केवल आउटपुट टैक्स** चुकाने के लिए हो सकता है; ब्याज, जुर्माना या RCM देनदारी चुकाने के लिए नहीं।
- **इलेक्ट्रॉनिक लायबिलिटी लेजर [धारा 49(7)]:** करदाता की कुल कर देनदारियों, ब्याज, जुर्माने और विलंब शुल्क का लेखा-जोखा रखता है। यह दर्शाता है कि करदाता को कुल कितना भुगतान कैश या क्रेडिट से करना बाकी है।

Question 33

English: State the provisions for claiming a refund of unutilized Input Tax Credit under Section 54.

Hindi: धारा 54 के अंतर्गत अप्रयुक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट (Unutilized ITC) के रिफंड के क्या प्रावधान हैं?

Answer (English):

Under Section 54(3), refund of unutilized ITC is allowed in only **two cases**:

- **Zero-Rated Supplies:** Exports of goods/services or supplies to SEZ developers/units made without payment of tax under a Letter of Undertaking (LUT)/Bond.
- **Inverted Duty Structure:** Where the credit accumulated is on account of the rate of tax on inputs being higher than the rate of tax on output supplies (other than nil rated or fully exempt supplies).

No refund is granted if the output goods are subject to export duty or if the supplier avails drawback.

Answer (Hindi):

धारा 54(3) के अनुसार अप्रयुक्त ITC का रिफंड केवल **दो परिस्थितियों** में मिलता है:

- **शून्य-दर आपूर्ति (Zero-rated Supplies):** बॉन्ड या एल्यूटी (LUT) के तहत बिना कर चुकाए किया गया माल/सेवाओं का निर्यात या सेज (SEZ) को आपूर्ति।
- **इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर:** जब इनपुट (कच्चे माल) पर कर की दर, आउटपुट (तैयार माल) पर कर की दर से अधिक हो, जिसके कारण क्रेडिट जमा होता जा रहा हो।

यदि तैयार माल पर निर्यात शुल्क लगता है तो ऐसा कोई रिफंड नहीं दिया जाता।

Question 34

English: What is a GST Return? Mention three key purposes of filing GST returns.

Hindi: जीएसटी रिटर्न क्या है? जीएसटी रिटर्न दाखिल करने के तीन प्रमुख उद्देश्य बताइए।

Answer (English):

A GST return is a formal document containing details of sales, purchases, output tax liability, and input tax credit filed periodically with the tax authorities.

Purposes:

- **Self-Assessment:** Enables the taxpayer to compute and declare their net tax liability for a given tax period.
- **Credit Verification & Matching:** Acts as the official mechanism to match purchase invoices against supplier sales for validating ITC.
- **Compliance & Audit:** Provides compliance and trade data to the government for auditing, economic tracking, and curbing tax evasion.

Answer (Hindi):

जीएसटी रिटर्न एक आधिकारिक दस्तावेज है जिसमें किसी कर अवधि की बिक्री, खरीद, आउटपुट टैक्स और इनपुट टैक्स क्रेडिट का पूरा ब्योरा दर्ज कर विभाग को भेजा जाता है।

प्रमुख उद्देश्य:

- **स्व-कर निर्धारण:** करदाता को अपनी शुद्ध कर देयता की स्वयं गणना करने और उसे घोषित करने का अवसर देता है।
- **क्रेडिट का मिलान:** आपूर्तिकर्ता की बिक्री और खरीदार की खरीद के इनवॉइस का मिलान कर ITC की प्रामाणिकता जांचना।
- **अनुपालन एवं कर निगरानी:** कर चोरी पर अंकुश लगाने और विभाग द्वारा आर्थिक निगरानी व ऑडिट के लिए आवश्यक डेटा उपलब्ध कराना।

Question 35

English: Describe the purpose and due dates of GSTR-1 and GSTR-3B.

Hindi: GSTR-1 एवं GSTR-3B का उद्देश्य और इनकी देय तिथियाँ (Due Dates) बताइए।

Answer (English):

- **GSTR-1:**
 - *Purpose:* Monthly/quarterly return containing details of outward supplies (sales) of taxable goods and services.
 - *Due Date:* 11th of the succeeding month for monthly filers; 13th of the month succeeding the quarter for QRMP filers.
- **GSTR-3B:**
 - *Purpose:* Summary return for self-assessed tax payment, ITC claimed, and output tax liability discharged.
 - *Due Date:* 20th of the succeeding month (or 22nd/24th of the month following the quarter for QRMP taxpayers).

Answer (Hindi):

- **GSTR-1:**
 - *उद्देश्य:* राज्य के भीतर और बाहर की गई जावक आपूर्ति (बिक्री) का विस्तृत विवरण दर्ज करने का विवरण पत्र।
 - *देय तिथि:* मासिक फाइलर्स के लिए अगले महीने की 11 तारीख; क्यूआरएमपी (QRMP) योजना वालों के लिए तिमाही समाप्त होने के बाद 13 तारीख।
- **GSTR-3B:**
 - *उद्देश्य:* सारांश रिटर्न जिसमें आउटपुट देनदारी, इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा और शुद्ध कर का वास्तविक भुगतान किया जाता है।

- **देय तिथि:** अगले महीने की 20 तारीख (QRMP योजना वालों के लिए तिमाही समाप्ति के बाद 22वीं या 24वीं तारीख)।

Question 36

English: What are GSTR-9 and GSTR-9C? State their applicability and due dates.

Hindi: GSTR-9 और GSTR-9C क्या हैं? इनकी प्रयोज्यता (Applicability) और देय तिथि बताइए।

Answer (English):

- **GSTR-9:** An Annual Return to be filed by all regular registered taxpayers summarizing inward and outward supplies, taxes paid, and ITC claimed for the financial year. Due date is **31st December** following the close of the financial year.
- **GSTR-9C:** A self-certified reconciliation statement reconciling figures of audited annual financial statements with GSTR-9, mandatory for taxpayers whose aggregate turnover exceeds ₹5 crore in a financial year.

Answer (Hindi):

- **GSTR-9:** वार्षिक रिटर्न जो सभी नियमित करदाताओं द्वारा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद दाखिल किया जाता है; इसमें पूरे वर्ष की खरीद, बिक्री, कर भुगतान और ITC का विवरण होता है। देय तिथि वित्तीय वर्ष के बाद **31 दिसंबर** होती है।
- **GSTR-9C:** यह एक स्व-प्रमाणित समाधान विवरण (Reconciliation Statement) है जो वित्तीय ऑडिट खातों और GSTR-9 के बीच मिलान करता है। यह ₹5 करोड़ से अधिक वार्षिक टर्नओवर वाले करदाताओं के लिए अनिवार्य है।

Question 37

English: Explain "Self-Assessment" and "Provisional Assessment" under GST.

Hindi: जीएसटी के तहत "स्वयं-कर निर्धारण" (Self-Assessment) एवं "अनंतिम कर निर्धारण" (Provisional Assessment) को समझाइए।

Answer (English):

- **Self-Assessment (Section 59):** Every registered person must independently assess the tax payable and furnish a return for each tax period under Section 39.
- **Provisional Assessment (Section 60):** Where a taxpayer is unable to determine the taxable value or applicable tax rate, they may request the proper officer in writing to pay tax on a provisional basis. The proper officer must pass an order within 90 days, and final assessment is concluded within 6 months.

Answer (Hindi):

- **स्वयं कर निर्धारण (धारा 59):** प्रत्येक पंजीकृत व्यापारी अपनी कर देयता की गणना स्वयं करता है और धारा 39 के तहत रिटर्न दाखिल करता है।

- **अनंतिम कर निर्धारण (धारा 60):** जब करदाता माल के मूल्य या कर की दर का सही निर्धारण करने में असमर्थ हो, तो वह अधिकारी से अनंतिम आधार पर कर भुगतान की अनुमति ले सकता है। अधिकारी 90 दिनों में आदेश देता है और 6 माह में अंतिम निर्धारण करता है।

Question 38

English: Explain the concept of "Best Judgment Assessment" under Section 62 and Section 63.

Hindi: धारा 62 एवं धारा 63 के अंतर्गत "सर्वोत्तम निर्णय निर्धारण" (Best Judgment Assessment) की अवधारणा को समझाइए।

Answer (English):

Best Judgment Assessment is conducted by the Proper Officer based on available evidence and reasoning:

- **Section 62 (Non-filers of returns):** If a registered person fails to file returns even after a notice under Section 46, the officer assesses liability to the best of their judgment within 5 years. (If the defaulter files a valid return within 60 days of the order, the assessment order is deemed withdrawn).
- **Section 63 (Unregistered persons):** Applicable when a taxable person fails to obtain registration despite being liable to do so.

Answer (Hindi):

उपलब्ध रिकॉर्ड और साक्ष्यों के आधार पर कर अधिकारी द्वारा निष्पक्ष विवेक से किया जाने वाला कर निर्धारण:

- **धारा 62 (रिटर्न दाखिल न करने वालों पर):** नोटिस के बाद भी रिटर्न न भरने पर अधिकारी सर्वोत्तम निर्णय से कर तय करता है। यदि व्यापारी आदेश के 60 दिनों में वैध रिटर्न भर दे, तो यह आदेश स्वतः वापस मान लिया जाता है।
- **धारा 63 (गैर-पंजीकृत व्यक्तियों पर):** उन व्यापारियों पर लागू होता है जो पंजीकरण के लिए उत्तरदायी होने के बावजूद पंजीकरण नहीं कराते।

Question 39

English: What is Summary Assessment under Section 64? When can it be initiated?

Hindi: धारा 64 के तहत सारांश कर निर्धारण (Summary Assessment) क्या है? यह कब किया जा सकता है?

Answer (English):

Summary Assessment is a special assessment initiated by the proper officer to protect revenue interests:

- **Pre-conditions:** The officer must have sufficient evidence that a taxable person has incurred a tax liability and has reasons to believe that delay will adversely affect revenue.
- **Permission:** It can only be initiated with prior permission of an Additional or Joint Commissioner.
- If the taxable person is untraceable, the person in charge of goods is assessed. The taxpayer can apply for withdrawal within 30 days.

Answer (Hindi):

राजस्व के हितों की तत्काल रक्षा के लिए धारा 64 के अंतर्गत सारांश कर निर्धारण किया जाता है:

- **शर्तें:** अधिकारी के पास कर देयता के पुख्ता सबूत हों और यह मानने का उचित कारण हो कि देरी करने से कर की वसूली डूब सकती है।
- **अनुमति:** इसके लिए अपर या संयुक्त आयुक्त की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है।
- यदि करदाता का पता न चले, तो माल के प्रभारी व्यक्ति पर कर लगा दिया जाता है। करदाता आदेश के 30 दिनों में इसे रद्द करने का आवेदन कर सकता है।

Question 40

English: What are the aggregate turnover threshold limits for compulsory registration under Section 22?

Hindi: धारा 22 के तहत अनिवार्य पंजीकरण के लिए टर्नओवर की थ्रेशोल्ड सीमाएं क्या हैं?

Answer (English):

- **For Exclusive Supply of Goods (Normal States):** ₹40 Lakhs.
- **For Supply of Services / Mixed Supplies (Normal States):** ₹20 Lakhs.
- **Special Category States (Mizoram, Tripura, Manipur, Nagaland):** ₹10 Lakhs for both goods and services.
- **Other Special States (Uttarakhand, Meghalaya, Sikkim, etc.):** ₹20 Lakhs for goods.

Any supplier crossing this aggregate turnover within a financial year must apply for registration within 30 days.

Answer (Hindi):

- **केवल माल की आपूर्ति के लिए (सामान्य राज्य):** ₹40 लाख।
- **सेवाओं या मिश्रित आपूर्ति के लिए (सामान्य राज्य):** ₹20 लाख।
- **विशेष श्रेणी के राज्य (मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा):** ₹10 लाख (माल व सेवा दोनों के लिए)।

- **अन्य पूर्वोत्तर/पहाड़ी राज्य (उत्तराखंड, मेघालय आदि):** माल के लिए ₹20 लाख।

एक वित्तीय वर्ष में इस सीमा को पार करने वाले व्यक्ति को 30 दिनों के भीतर पंजीकरण के लिए आवेदन करना होता है।

Question 41

English: State four categories of persons who are compulsorily required to register under GST irrespective of turnover (Section 24).

Hindi: धारा 24 के अंतर्गत टर्नओवर की सीमा के बिना अनिवार्य पंजीकरण कराने वाले किन्हीं चार वर्गों का उल्लेख कीजिए।

Answer (English):

Registration is mandatory irrespective of aggregate turnover for:

- Persons making any **inter-state taxable supply** of goods.
- **Casual Taxable Persons** making taxable supplies.
- Persons required to pay tax under **Reverse Charge Mechanism (RCM)**.
- **Non-resident taxable persons** making taxable supplies.
- E-commerce operators required to collect tax at source (TCS) under Section 52.
- Input Service Distributors (ISD).

Answer (Hindi):

टर्नओवर की सीमा पर ध्यान दिए बिना निम्नलिखित के लिए पंजीकरण अनिवार्य है:

- माल की **अंतर-राज्यीय कर योग्य आपूर्ति** करने वाले व्यक्ति।
- **आकस्मिक कर योग्य व्यक्ति (Casual Taxable Persons)**।
- **विपरीत प्रभार तंत्र (RCM)** के तहत कर चुकाने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति।
- **अनिवासी कर योग्य व्यक्ति (Non-Resident Taxable Persons)**।
- ई-कॉमर्स ऑपरेटर जो स्रोत पर कर संग्रह (TCS) के लिए उत्तरदायी हैं।
- इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर (ISD)।

Question 42

English: Outline the step-by-step procedure for obtaining a New Registration under GST.

Hindi: जीएसटी के तहत नया पंजीकरण प्राप्त करने की चरणबद्ध प्रक्रिया की रूपरेखा दीजिए।

Answer (English):

- **Part A of Form GST REG-01:** Submit PAN, mobile number, and email ID on the GST portal for OTP validation; a Temporary Reference Number (TRN) is generated.
- **Part B of Form GST REG-01:** Login using TRN, submit business details, bank account, jurisdiction, and upload documents (Aadhaar, proof of business address).
- **Aadhaar Authentication:** Complete Aadhaar biometric/OTP authentication.
- **Verification:** Officer verifies application within 7 working days. If clarifications are needed, notice (REG-03) is issued.
- **Issuance:** Registration Certificate (Form GST REG-06) is issued online with a 15-digit GSTIN.

Answer (Hindi):

- **प्रपत्र GST REG-01 (भाग A):** पोर्टल पर पैन, मोबाइल नंबर और ईमेल दर्ज करें; ओटीपी सत्यापन के बाद अस्थायी संदर्भ संख्या (TRN) मिलती है।
- **प्रपत्र GST REG-01 (भाग B):** TRN से लॉगिन कर व्यापार का ब्योरा, बैंक खाता, पते का प्रमाण अपलोड करें।
- **आधार प्रमाणीकरण:** आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी करें।
- **सत्यापन:** अधिकारी 7 कार्य दिवसों में दस्तावेजों की जांच करता है। आवश्यकता पड़ने पर नोटिस (REG-03) भेजता है।
- **प्रमाण पत्र जारी होना:** अनुमोदन के बाद 15 अंकों का GSTIN युक्त पंजीकरण प्रमाण पत्र (GST REG-06) जारी हो जाता है।

Question 43

English: Explain the grounds on which a Proper Officer may cancel a GST Registration under Section 29.

Hindi: धारा 29 के तहत कर अधिकारी किन आधारों पर जीएसटी पंजीकरण रद्द कर सकता है?

Answer (English):

A registration may be cancelled if the registered person:

- Contravenes specified provisions of the GST Act or Rules (e.g., claiming fake ITC).
- Does not conduct any business from the declared place of business.
- Issues invoices without supplying goods or services (bogus billing).
- Being a regular taxpayer, has not filed returns for a continuous period of 6 months.
- Being a composition dealer, has not furnished returns for 3 consecutive tax periods.
- Obtained registration by means of fraud, wilful misstatement, or suppression of facts.

Answer (Hindi):

कर अधिकारी निम्नलिखित आधारों पर पंजीकरण रद्द कर सकता है यदि करदाता:

- जीएसटी कानून या नियमों का उल्लंघन करता है (जैसे फर्जी ITC लेना)।
- घोषित व्यावसायिक पते से कोई व्यापार नहीं चला रहा हो।
- माल या सेवा की वास्तविक आपूर्ति के बिना केवल बिल जारी कर रहा हो (फर्जी बिलिंग)।
- नियमित करदाता होते हुए लगातार 6 महीनों तक रिटर्न दाखिल न किया हो।
- कंपोजिशन डीलर होते हुए लगातार 3 अवधियों तक रिटर्न दाखिल न किया हो।
- धोखाधड़ी, तथ्यों को छिपाकर पंजीकरण प्राप्त किया हो।

Question 44

English: What accounts and records are required to be maintained by a taxable person under Section 35(1)?

Hindi: धारा 35(1) के तहत एक कर योग्य व्यक्ति द्वारा कौन-से खाते और रिकॉर्ड रखना अनिवार्य है?

Answer (English):

Every registered person must maintain a true and correct account of:

- Production or manufacture of goods;
- Inward and outward supply of goods or services;
- Stock of goods (inventory of raw materials, finished goods, scrap);
- Input tax credit availed;
- Output tax payable and paid; and
- Such other particulars as may be prescribed (e.g., advances received, paid, and adjustment).

Answer (Hindi):

धारा 35(1) के तहत प्रत्येक पंजीकृत व्यक्ति को निम्नलिखित का सत्य एवं सही रिकॉर्ड रखना होगा:

- माल का उत्पादन या विनिर्माण;
- माल या सेवाओं की जावक (बिक्री) और आवक (खरीद) आपूर्ति;
- माल का स्टॉक (कच्चा माल, तैयार माल, स्कैप का स्टॉक);
- प्राप्त किया गया इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC);
- देय और भुगतान किया गया आउटपुट टैक्स; तथा

- प्राप्त व चुकाए गए अग्रिम भुगतानों का विवरण।

Question 45

English: What is the statutory retention period for books of accounts under Section 36 of the CGST Act?

Hindi: सीजीएसटी अधिनियम की धारा 36 के तहत खाता बहियों को सुरक्षित रखने (Retention Period) की वैधानिक अवधि क्या है?

Answer (English):

- **General Rule:** Every registered person must retain accounts and records until the expiry of **72 months (6 years)** from the due date of furnishing the Annual Return for the year pertaining to such accounts.
- *Example:* For FY 2023-24, annual return due date was 31st Dec 2024; records must be maintained up to 31st Dec 2030.
- **In Case of Appeal/Dispute:** If records are subject to an appeal, revision, or litigation, they must be retained for at least **1 year after disposal** of such appeal, or 72 months, whichever is later.

Answer (Hindi):

- **सामान्य नियम:** प्रत्येक पंजीकृत करदाता को अपने रिकॉर्ड संबंधित वित्तीय वर्ष के वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख से **72 महीने (6 वर्ष)** तक सुरक्षित रखने होते हैं।
- *उदाहरण:* वित्तीय वर्ष 2023-24 के रिटर्न की देय तिथि 31 दिसंबर 2024 है, तो रिकॉर्ड 31 दिसंबर 2030 तक सुरक्षित रखने होंगे।
- **अपील या विवाद की स्थिति में:** यदि कोई मामला अपील, जांच या अदालत में लंबित है, तो निर्णय आने के कम से कम **1 वर्ष बाद तक** अथवा 72 माह (जो भी अधिक हो) तक रिकॉर्ड संभालकर रखना अनिवार्य है।

Question 46

English: Differentiate between a Debit Note and a Credit Note under Section 34 of the CGST Act.

Hindi: सीजीएसटी अधिनियम की धारा 34 के तहत डेबिट नोट (Debit Note) एवं क्रेडिट नोट (Credit Note) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

- **Credit Note [Section 34(1)]:** Issued by the supplier to the recipient when:
 - Taxable value or tax charged in the original invoice exceeds actual value/tax.
 - Goods supplied are returned by recipient.

- Goods/services are found deficient.
- *Effect*: Reduces the tax liability of the supplier.
- **Debit Note [Section 34(3)]**: Issued by the supplier when:
 - Taxable value or tax charged in original invoice is less than actual value/tax.
 - *Effect*: Increases the tax liability of the supplier.

Answer (Hindi):

- **क्रेडिट नोट [धारा 34(1)]**: विक्रेता द्वारा खरीदार को तब जारी किया जाता है जब:
 - मूल इनवॉइस में कर योग्य मूल्य या कर वास्तविक से अधिक लग गया हो।
 - क्रेता ने माल वापस लौटा दिया हो।
 - माल या सेवा में कोई कमी पाई गई हो।
 - *प्रभाव*: इससे विक्रेता की कर देनदारी घटती है।
- **डेबिट नोट [धारा 34(3)]**: विक्रेता द्वारा तब जारी किया जाता है जब:
 - मूल इनवॉइस में कर योग्य मूल्य या कर वास्तविक से कम आंका गया हो।
 - *प्रभाव*: इससे विक्रेता की कर देनदारी बढ़ती है।

Question 47

English: Explain "Payment Voucher" and "Receipt Voucher" in the context of GST invoicing rules.

Hindi: जीएसटी इनवॉइस नियमों के संदर्भ में "भुगतान वाउचर" (Payment Voucher) एवं "प्राप्ति वाउचर" (Receipt Voucher) को समझाइए।

Answer (English):

- **Receipt Voucher [Section 31(3)(d)]**: A registered person must issue a receipt voucher upon receiving an advance payment with respect to any supply of goods or services, evidencing receipt of funds and containing rate and tax details.
- **Payment Voucher [Section 31(3)(g)]**: Issued by a registered recipient at the time of making payment to the supplier, specifically when receiving supplies liable to tax under **Reverse Charge Mechanism (RCM)** from an unregistered supplier.

Answer (Hindi):

- **प्राप्ति वाउचर [धारा 31(3)(d)]**: जब किसी पंजीकृत व्यापारी को माल या सेवाओं की आपूर्ति के लिए कोई अग्रिम राशि (Advance) प्राप्त होती है, तो उसे रसीद वाउचर जारी करना अनिवार्य है जिसमें कर की दर आदि दर्ज होती है।

- **भुगतान वाउचर [धारा 31(3)(g)]:** यह पंजीकृत प्राप्तकर्ता द्वारा तब जारी किया जाता है जब वह किसी गैर-पंजीकृत विक्रेता से **रिवर्स चार्ज (RCM)** के तहत आने वाली वस्तु या सेवा खरीदकर उसे भुगतान करता है।

Question 48

English: Distinguish between Departmental Audit (Section 65) and Special Audit (Section 66) under GST.

Hindi: जीएसटी के तहत विभागीय ऑडिट (धारा 65) और विशेष ऑडिट (धारा 66) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer (English):

- **Departmental Audit (Section 65):** Conducted by the Commissioner or an authorized tax officer at the place of business or office. A 15 working days prior notice is given. It must be completed within 3 months (extendable by up to 6 months).
- **Special Audit (Section 66):** Ordered by an Assistant Commissioner (with prior Commissioner approval) if at any stage of scrutiny/inquiry the officer believes value is declared incorrectly or credit availed is out of normal limits. It is conducted by a nominated **Chartered Accountant or Cost Accountant**; the report must be submitted within 90 days.

Answer (Hindi):

- **विभागीय ऑडिट (धारा 65):** यह आयुक्त या अधिकृत कर अधिकारी द्वारा करदाता के व्यावसायिक स्थल पर किया जाता है। इसके लिए 15 दिन पूर्व सूचना दी जाती है और इसे 3 माह (अधिकतम 6 माह विस्तार) में पूरा करना होता है।
- **विशेष ऑडिट (धारा 66):** जांच के दौरान जटिलता या गलत मूल्यांकन की आशंका पर सहायक आयुक्त (आयुक्त की अनुमति से) इसे आदेशित करता है। यह सरकार द्वारा नामित **चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) या कॉस्ट अकाउंटेंट (CMA)** द्वारा किया जाता है और रिपोर्ट 90 दिन में देनी होती है।

Question 49

English: What is an E-Way Bill? State its threshold limit and the validity period rules.

Hindi: ई-वे बिल (E-Way Bill) क्या है? इसकी सीमा और वैधता अवधि (Validity Period) के नियम बताइए।

Answer (English):

An E-Way Bill (Form GST EWB-01) is an electronic document generated on the GST portal evidencing the movement of goods.

- **Threshold Limit:** Mandatory for movement of goods of consignment value exceeding **₹50,000** (inter-state or intra-state).

- **Validity Rules:**

- *Regular Cargo*: 1 day for distance up to 200 km, and 1 additional day for every 200 km (or part thereof) thereafter.
- *Over Dimensional Cargo (ODC) / Multimodal by ship*: 1 day for distance up to 20 km, and 1 additional day for every 20 km thereafter.

Answer (Hindi):

ई-वे बिल एक इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज है जो माल के परिवहन की वैधता का प्रमाण होता है।

- **सीमा:** जब माल की कंसाइनमेंट वैल्यू **₹50,000** से अधिक हो, तो इसका सृजन अनिवार्य है।
- **वैधता अवधि:**
 - *सामान्य माल*: पहले 200 किमी तक 1 दिन, और उसके बाद प्रत्येक 200 किमी या उसके भाग के लिए अतिरिक्त 1 दिन।
 - *ओवर डायमेंशनल कार्गो (ODC)*: पहले 20 किमी तक 1 दिन, और उसके बाद प्रत्येक 20 किमी के लिए अतिरिक्त 1 दिन।

Question 50

English: Outline the penalties prescribed under Section 122 of the CGST Act for major tax offences.

Hindi: प्रमुख कर अपराधों के लिए सीजीएसटी अधिनियम की धारा 122 के तहत निर्धारित दंड (Penalties) का वर्णन कीजिए।

Answer (English):

Under Section 122(1), for offences like supplying without invoice, issuing fake invoices without supply, availing fraudulent ITC, or failing to pay collected tax within 3 months, the penalty is:

- **₹10,000, OR**
- An amount equivalent to the **tax evaded / ITC fraudulently availed / tax not paid**,

whichever is **higher**.

For non-fraudulent cases (Section 122(2)(a)), penalty is 10% of tax or ₹10,000 (whichever is higher). For third parties aiding/abetting offences, penalty can extend up to ₹25,000.

Answer (Hindi):

धारा 122(1) के अनुसार फर्जी बिल जारी करने, बिना बिल माल बेचने, गलत ITC लेने या वसूले गए कर को 3 माह तक जमा न करने जैसे गंभीर अपराधों पर जुर्माना है:

- **₹10,000, अथवा**

- **चोरी किए गए कर / लिए गए गलत ITC के 100% के बराबर राशि,**

जो भी दोनों में से **अधिक हो।**

बिना धोखाधड़ी वाले मामलों में कर का 10% या ₹10,000 (जो अधिक हो) जुर्माना लगता है। कर चोरी में सहायता करने वाले व्यक्तियों पर ₹25,000 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।